हिंदी विभाग

त्रिपुरा विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

सूर्यमणिनगर, पश्चिम त्रिपुरा-799022

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

(सी.बी.सी.एस. पद्धति के अनुसार)

(वर्ष 2020– 2021 से प्रभावी)

Scanned by CamScanner

त्रिपुरा विश्वविद्यालय/ TRIPURA UNIVERSITY
हिन्दी विभाग/ DEPARTMENT OF HINDI
सूर्यमणिनगर/SURYAMANINAGAR, TRIPURA/त्रिपुरा- 799022

Name of the Department: **Hindi**
Name of Course Curriculum: **M.A. in Hindi**

CORE COURSE

Sl No.	Name of the Course	Paper Code	Credit	Semester Number
1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास (मध्यकाल तक)	HN-701C	4	I
2.	भारतीय काव्यशास्त्र	HN-702C	4	I
3.	आदिकालीन काव्य	HN-703C	4	I
4.	त्रिपुरा का लोक साहित्य	HN-704C	4	I
5.	मध्यकालीन काव्य	HN-801C	4	II
6.	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	HN-802C	4	II
7.	हिन्दी कथा साहित्य	HN-803C	4	II
8.	नाटक एवं निबंध	HN-804C	4	II
9.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	HN-901C	4	III
10.	हिंदी आलोचना	HN-902C	4	III
11.	आधुनिक काव्य	HN-903C	4	III
12.	पूर्वोत्तर भारत का आधुनिक साहित्य	HN-904C	4	III
13.	भाषा विज्ञान	HN-1001C	4	IV
14.	अस्मितावादी साहित्य	HN-1002C	4	IV

Scanned by CamScanner

15.	समकालीन कविता	HN-1003C	4	IV
16.	लघु शोध-प्रबंध	HN-1004C	4	IV
			64	

ELECTIVE COURSE

Sl No.	Name of the Course	Paper Code	Credit	Semester Number
1.	हिन्दी भाषा एवं उसका विकास	HN-705E-1	4	I
2.	भारतीय साहित्य	HN-805E-1	4	II
4.	प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं जनसंचार	HN-905E-1	4	III
4.	छायावाद	HN-1005E-1	4	IV
5.	प्रेमचंद	HN-1005E-2	4	IV
			20	

Total Credits = 84 (64+20 = 84)

अंक विभाजन : पूर्णांक 100

क) अभ्यंतर परीक्षा (इंटरनल असेसमेंट) : 30 अंक

ख) मुख्य परीक्षा (एंड सेमेस्टर) : 70 अंक

खंड - अ : लघु उत्तरीय पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे और सभी प्रश्नों का उत्तर देना होगा तथा प्रत्येक प्रश्न का मान 02 अंक का होगा (2X5 = 10).

खंड - ब : प्रत्येक इकाई से दो-दो कुल दस दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा और प्रत्येक प्रश्न का मान 12 अंक का होगा (12X5 = 60)

NB: Compulsory Foundation Course entitled 'Fundamentals of Computer Application' will be taught by the Department of Information Technology, Tripura University.

Scanned by CamScanner

प्रथम सेमेस्टर

मुख्य पत्र : HN-701C

क्रेडिट : 4

हिंदी साहित्य का इतिहास (मध्यकाल तक)

इकाई – 1. काल विभाजन एवं नामकरण : साहित्य एवं इतिहास -साहित्य का इतिहास-दर्शन, साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल-विभाजन

इकाई – 2. आदिकाल : परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, चरित काव्य

इकाई – 3. निर्गुण भक्तिकाव्य : उद्भव एवं विकास, भक्ति-आंदोलन, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनके काव्यका सामान्य परिचय, हिंदी सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि और उनके काव्यका सामान्य परिचय

इकाई – 4. सगुण भक्तिकाव्य : रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय, हिंदी में कृष्ण काव्य परंपरा, कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि और उनका काव्य

इकाई – 5. रीतिकाल : नामकरण, रीति काल के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख विशेषताएं, रीतिकाव्य की उपलब्धियाँ

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं 2: आचार्य विश्वनाथ प्रसाद,वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी
4. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. नाथ संप्रदाय : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , काशी
8. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द, मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नौएडा -1
9. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN-702C

क्रेडिट : 4

भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई – 1. काव्य का अर्थ और काव्य लक्षण, काव्य-हेतु और काव्य-प्रयोजन, शब्द-शक्ति

इकाई – 2. रस संप्रदाय : रस का स्वरूप, अवयव और प्रकार, रस निष्पत्ति और उसके प्रमुख व्याख्याकार, साधारणीकरण

इकाई – 3. अलंकार संप्रदाय : प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण

इकाई – 4. रीति संप्रदाय : प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएं, रीति के भेद। ध्वनि संप्रदाय: ध्वनि का अभिप्राय, प्रवर्तक और उनकी स्थापनाएं, ध्वनि काव्य

इकाई – 5. वक्रोक्ति संप्रदाय : प्रवर्तक और मूल स्थापना, प्रमुख भेद और उपभेद। औचित्य संप्रदाय: प्रवर्तक और स्थापना, प्रमुख भेद और उपभेद

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्यशास्त्र की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. रस सिद्धान्त, स्वरूप विश्लेषण, आनंद प्रकाश दीक्षित, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ. विश्वम्भवर नाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद
6. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. बच्चन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN-703C

क्रेडिट : 4

आदिकालीन काव्य

इकाई – 1. सरहपा : 'आदिकालीन काव्य', सं. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
दोहा कोष से दोहा संख्या -1 से 15

इकाई – 2. गोरखनाथ : 'आदिकालीन काव्य', सं. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
सबदी से छंद संख्या – 1 से 15

इकाई – 3. चन्दबरदायी : 'आदिकालीन काव्य' –सं. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
अथ पदमावती समय, से छंद संख्या- 1 से 15

इकाई – 4. विद्यापति : 'विद्यापति', शिवप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
पद संख्या –3, 4, 8, 11, 12, 16, 36, 51, 54, 58, 61, 78, 79, 81, 82

इकाई – 5. अमीर खुसरो : अमीर खुसरो और उनका हिन्दी सहित्य: सं भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
पाठ्य- छाप तिलक सब छीनी, काहे को ब्याहे बिदेस, ज़िहाल-ए मिस्कीं मकुन तगाफ़ुल, चल खुसरो घर आपने

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य, शंभुनाथ पाण्डे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रासो साहित्य विमर्श, माता प्रसाद गुप्त, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. गोरखबानी, पीताम्बर बड़थ्वाल, ना. प्र. सभा, वाराणसी
4. हिन्दी काव्यधारा, राहुल सांकृत्यायन, किताबमहल, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहारी राष्ट्र भाषा परिषद, पटना
6. उत्तरीभारत की संत परंपरा, परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
7. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य, कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
8. गोरखवाणी : परंपरा और काव्यत्व, मनीषा शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. चन्दवरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
10. विद्यापति का काव्य लोक, श्री नरेन्द्रनाथ दास, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
11. विद्यापति : अनुशीलन और मूल्यांकन, 2 खंण्डो में, डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN-704C

क्रेडिट : 4

त्रिपुरा का लोक साहित्य

इकाई – 1. लोक : अर्थ तथा अवधारणा, लोक साहित्य : स्वरुप एवं भेद, साहित्य एवं लोक साहित्य, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, लोक साहित्य की अध्ययन पद्धतियाँ

इकाई – 2. लोक साहित्य के संग्रह की समस्याएँ एवं समाधान, लोकसाहित्य का संग्रह : उपलब्धियाँ एवं संभावनाएँ

इकाई – 3. लोक साहित्य के प्रकार : लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, और लोक-सुभाषित का परिचय

इकाई – 4. चुनिंदा जनजातीय लोकगीत एवं लोककथाएँ : झूमकृषि, विदाई, प्रेम, वात्सल्य, भक्ति, शोक (शीर्षक से संबंधित उपलब्ध अनूदित दो-दो गीत), खोतिर और रांङचाल, औगफ्राजा बाय ताउक्रूमा, मोनोरी की कथा, दुलो कुमारी, बाबा गॉरिया आचाईमानि कथमा, चेथुवांग (शीर्षक से संबंधित उपलब्ध अनूदित लोक कथाएँ)

इकाई – 5. चुनिंदा बंगला लोकगीत एवं लोककथाएँ : विवाह, बारोमासी, ढाकिर, बाउल, भाटियाली, गीतिका (मयमनसिंह गीतिका) (शीर्षक से संबंधित उपलब्ध दो-दो गीत), उपलब्ध अनूदित बंगला लोक कथाएँ

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. लोक साहित्य की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
2. लोक साहित्य विज्ञान, सं. सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. लोक साहित्य और संस्कृति, डॉ. दिनेश्वर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. आदि जनजाति : समाज और लोक साहित्य, डॉ. ओकेन लेगो, यश पब्लिकेशन, दिल्ली
5. लोक साहित्य विमर्श, डॉ. श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी लोक साहित्य शास्त्र, सिद्धांत और आयाम, डॉ. अनसूया अग्रवाल, नीरज बुक सेंटर, दिल्ली
7. त्रिपुरा की लोककाथाएँ, डॉ. मिलन रानी जमातिया, मानव प्रकाशन, कोलकाता
8. कॉकवरक लोक साहित्य, सं. डॉ. मिलन रानी जमातिया एवं डॉ. नरेंद्र देववर्मा, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
9. प्रसंग लोक संस्कृति उ त्रिपुरा, डॉ. निर्मल दास, अक्षर पब्लिकेशन, अगरतला
10. त्रिपुरार उपजाति लोककथा : समाज व रूप तत्व, अरुंधती राय, टी.आई आर, अगरतला
11. कॉकवरक साहित्य उ संस्कृति, श्यामलाल देववर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Scanned by CamScanner

ऐच्छिक पत्र : HN-705E-1

क्रेडिट : 4

हिन्दी भाषा एवं उसका विकास

इकाई – 1. हिन्दी भाषा का विकास, प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ (अपभ्रंश, अवहट्ट साहित्य और पुरानी हिन्दी का संबंध)

इकाई – 2. हिन्दी की उपबोलियाँ, काव्य भाषा के रूप में अवधी, व्रज एवं खड़ी बोली का उदय और विकास

इकाई – 3. हिन्दी संज्ञा, वचन, लिंग, प्रत्यय एवं उपसर्ग, समास, हिन्दी कारक चिन्ह, हिन्दी सर्वनाम पदों का विकास

इकाई – 4. विशेषण की रचना और विकास, हिन्दी क्रिया, धातु, कृदन्त, सहायक क्रिया एवं संयुक्त क्रिया

इकाई – 5. नागरी लिपि: उद्भव और विकास, मानकीकरण, गुण एवं दोष, वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी : सुनीति कुमार चटर्जी, हिंदी समिति, लखनऊ
2. नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी : अनंत लाला चौधरी, बिहार ग्रंथ अकादमी
3. हिंदी भाषा का विकास : गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि : धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
5. हिंदी भाषा का उद्भव, विकास और रूप : हरदेवबाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
6. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास : उदय नारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
7. देवनागरी लिपि आन्दोलन का इतिहास : रामनिरंजन परिमलेंदु, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

द्वितीय सेमेस्टर

मुख्य पत्र : HN-801C

क्रेडिट : 4

मध्यकालीन काव्य

इकाई – 1. कबीर : 'कबीर ग्रंथावली', श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
पाठ्य : गुरूदेव कौ अंग – 1, 3, 6, 9 सुमिरण कौ अंग – 1, 5, 7, 9
बिरह कौ अंग- 2, 3, 6, 7
जायसी : 'जायसी ग्रंथावली', सं. रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
पाठ्य संख्या – नागमती वियोग खण्ड

इकाई – 2. सूरदास : 'भ्रमरगीत सार', रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
पाठ्य, पद सं.- 7, 20, 21, 23, 24, 25, 26, 31, 34, 38, 41, 50, 51, 52, 64

इकाई – 3. तुलसीदास : 'उत्तरकाण्ड', रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर
पाठ्य : दोहा संख्या-94-104

इकाई – 4. बिहारी : रीतिकाव्य धारा, डॉ. रामफेर त्रिपाठी, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 1998
पाठ्य : दोहा संख्या- 1, 3, 7, 9,10,21, 22 30, 35, 44, 48, 53, 58, 62, 63

इकाई – 5. घनानंद : रीतिकाव्य धारा, डॉ. रामफेर त्रिपाठी, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 1998
पाठ्य: कवित्त संख्या- 2, 8, 10, 18 एवं सवैया संख्या- 1, 3, 4, 5, 6, 9

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. सूर और उनका साहित्य, हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
2. कबीर मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य, शिव सहाय पाठक, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4. तुलसी काव्य मीमांसा, उदय भानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. भक्ति काव्य का समाज दर्शन, प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. रीतिकालीन कवियों का काव्य-शिल्प, महेन्द्र कुमार, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
7. रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना, बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. बिहारी की वाग्विभूति, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
9. रीतिकाव्य संग्रह (भूमिका), सं. जगदीश गुप्त, ग्रंथम, कानपुर
10. घनानंद का काव्य, डॉ. रामदेव शुक्ल, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN- 802C

क्रेडिट : 4

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई – 1. (i) आधुनिककाल : आधुनिकता की अवधारणा, हिन्दी नवजागरण, परिस्थितियाँ, काल- सीमा
(ii) हिन्दी गद्य का विकास : ईसाई मिशनरियाँ, फोर्ट विलियम कॉलेज, सामाजिक संस्थाओं की भूमिका

इकाई – 2. आधुनिक काव्य के विभिन्न सोपान : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद : परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3. प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता : परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई – 4. गद्य विधाएँ : (i) कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, रेखाचित्र, आलोचना, संस्मरण : विकास - यात्रा एवं विशेषताएँ

इकाई – 5. गद्य विधाएँ : (ii) जीवनी, आत्मकथा, यात्रा- वृतांत, रिपोर्ताज, हिन्दी पत्रकारिता : विकास- यात्रा एवं विशेषताएँ

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. आधुनिक हिन्दी कविता : जगदीश चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. नयी कविता का इतिहास : वैद्यनाथ चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशण, दिल्ली
6. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य : राम अवतार शर्मा, नमन प्रकाशन, दिल्ली
7. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य : विजय मोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी कालजयी साहित्य : अर्जुन चौहान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. आधुनिक साहित्य : नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN- 803C

क्रेडिट : 4

हिन्दी कथा साहित्य

इकाई 1.	हिन्दी उपन्यास :	गोदान - प्रेमचंद मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु
इकाई 2.	हिन्दी उपन्यास :	मानस का हंस - अमृतलाल नागर राग दरबारी - श्रीलाल शुक्ल
इकाई 3.	हिन्दी कहानी :	एक टोकरी भर मिट्टी – माधवराव सप्रे उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी ईदगाह – प्रेमचंद आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
इकाई 4.	हिन्दी कहानी :	तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु गैंग्रीन – अज्ञेय कोसी का घटवार – शेखर जोशी अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी
इकाई 5.	हिन्दी कहानी :	सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर – हरिशंकर परसाई राजा निरबंसिया – कमलेश्वर परिंदे – निर्मल वर्मा

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास : सामाजिक चेतना, डॉ. कुँवरपाल सिंह, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली
3. उपन्यास : स्वरुप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आंचलिकता, यथार्थवाद और फनीश्वरनाथ रेणु, सुवास कुमार, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली
5. मैला आँचल की रचना-प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. एक दुनिया : समानांतर, सं. राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़
8. नई कहानी : प्रकृति और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन
9. कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN-804C

क्रेडिट : 4

नाटक एवं निबन्ध

इकाई – 1. हिन्दी नाटक और रंगमंच : उद्भव और विकास : भारतेन्दु युग, प्रसाद युग और प्रसादोत्तर युग।

इकाई - 2. नाटक : (अ) अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3. नाटक : (अ) आधे-अधूरे : मोहन राकेश (ब) अंधा युग : धर्मवीर भारती

इकाई – 4. हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास: शुक्ल पूर्व युग, शुक्ल युग और शुक्लोत्तर युग।

इकाई – 5. चुनिंदा निबंधों का अध्ययन :

(अ) आशीर्वाद, बालमुकुंद गुप्त

(आ) कविता क्या है, रामचंद्र शुक्ल

(इ) नाखून क्यों बढ़ते हैं, हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ई) शृंखला की कडियाँ, महादेवी वर्मा

(उ) साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, बालकृष्ण भट्ट

(ऊ) पगडंडियों का जमाना, हरिशंकर परसाई

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली
2. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना, सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. अंधेर नगरी, सृजन - विश्लेषण और पाठ, रमेश गौतमः किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद, सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. मोहन राकेश के नाटकों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, अब्दुल सुभान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
11. अंधायुग, रचनाधर्मिता के विविध आयाम, डॉ. माया मलिक, स्वराज्य प्रकाशन
12. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत्, प्रो. के. डी. पालीवाल, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15. निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी, उषा मित्रा, किताबघर, नयी दिल्ली

Scanned by CamScanner

ऐच्छिक पत्र : HN-805E-1

क्रेडिट : 4

भारतीय साहित्य

इकाई – 1. भारतीय साहित्य का स्वरूप, अध्ययन की अवश्यकता, प्रमुख भारतीय भाषाओं के साहित्य की विकासात्मक परिचर्चा : असमिया, बंगला एवं कॉकबरक (विशेष सन्दर्भ)

इकाई – 2. भारतीय कविता :

(क) लङ्तराई के एकलव्य, बिजय देववर्मा (कॉकबरक)

(ख) उतनी दूर मत ब्याहना बाबा, निर्मला पुतुल (संथाली)

(ग) हम लड़ेंगे साथी, अवतार सिंह पाश (पंजाबी)

(घ) वन्देमातरम, सुब्रह्मण्यम (तमिल)

इकाई – 3. भारतीय कहानी :

(क) इस्माइल शेख की तलाश में, भूपेन्द्र राय चौधरी (असमिया)

(ख) कामरूपी, यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

(ग) आँख मिचौनी, बुच्चिबाबु (तेलेगु)

(घ) परिस्थिति के हाथों, डॉ. इबोहल सिंह, काङजम (मणिपुरी)

इकाई - 4 . भारतीय उपन्यास :

(क) तितास एक नदी का नाम, अनु. प्रो. चंद्रकला पण्डेय एवं डॉ. जयकौशल (बंगला)/ हाचुक खुरिवो (कॉकबरक)- उपलब्ध अनुदित पाठ

(ख) संस्कार, यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)/ मृत्युंजय, विरेन्द्र कुमार भट्टाचार्या (असमिया)

इकाई - 5 . भारतीय नाटक :

(क) विसर्जन, रवीन्द्रनाथ टैगोर (बंगला)

(ख) खामोश अदालत, विजय तेन्दुलकर (मराठी)/ संग जो प्रसंग, कौडोमल चंदन, (सिंधी)

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : सं. गोपाल शर्मा, टिक्कु तारा, जगदीश चतुर्वेदी, के. हिं. नि., दिल्ली
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, सं. डॉ. नागेन्द्र, हिन्दी माध्यम, कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
3. भारतीय साहित्य : सं. डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. बंगला साहित्य का इतिहास : सत्येन्द्र, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
6. असमिया साहित्य और साहित्यकार : महन्त, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. कॉकबरक भाषा उ साहित्य : कुमुद कुन्दु चौधुरी, अक्षर पब्लिकेशन, अगरतला
8. कॉकबरक भाषा साहित्येर क्रम-विकास : नरेशचंद्र देबबर्मा, नवचंदना प्रकाशनी, अगरतला
9. तुलनात्मक साहित्य सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य : प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, राजकमल, दिल्ली

Scanned by CamScanner

तृतीय सेमेस्टर

मुख्य पत्र : HN-901C
क्रेडिट : 4

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई – 1. (क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास का सामान्य परिचय
(ख) प्लेटो : काव्य दृष्टि

इकाई – 2. (क) अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत
(ख) लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई – 3. (क) क्रोचे : अभिव्यंजनावाद का सिद्धांत
(ख) वड्र्सवर्थ : काव्य प्रयोजन, काव्य भाषा –सिद्धांत

इकाई – 4. (क) कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत, फैन्टेसी की अवधारणा
(ख) मैथ्यू आर्नल्ड : काव्य की अवधारणा

इकाई – 5. (क) टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा सिद्धांत
(ख) आई.ए. रिचर्डस : मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. पाश्चात काव्यशास्त्र, देवेन्द्र शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, तारकनाथ बाली, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
4. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, सं. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र, लक्ष्मीनारायण वार्ष्णेय, हिन्दी समिति, लखनऊ
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. बच्चन सिंह
7. अस्तित्ववाद (कीर्केगार्द से कामू तक), योगेन्द्र शाही
8. उत्तर-आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद, सुधीश पचौरी

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN- 902C
क्रेडिट : 4

हिन्दी आलोचना

इकाई- 1	आलोचना : अर्थ, स्वरूप एवं भेद, हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास एवं प्रवृत्तियाँ
इकाई - 2	बालकृष्ण भट्ट एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी की समीक्षा दृष्टि
इकाई - 3	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं नन्ददुलारे वाजपेयी की समीक्षा दृष्टि
इकाई- 4	हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह की समीक्षा दृष्टि
इकाई- 5	डॉ नगेन्द्र एवं मैनेजर पांडेय की समीक्षा दृष्टि

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिन्दी आलोचना का विकास, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आलोचना शिखरों से साक्षातकार, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी: निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अलोचना की धारणाएँ, रेने वेलक, हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी,चंडीगढ़
6. वालकृष्ण भट्ट, सत्यप्रकाश मिश्र, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
7. सुकवि संकीर्तन, महावीर प्रसाद द्विवेदी, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
8. समकालीन हिन्दी आलोचक और आलोचना, डॉ. रामबक्ष, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़
9. हिन्दी आलोचना का विकास, नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. सैद्धांतिक आलोचना, कृष्णदत्त पालीवाल

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN- 903C
क्रेडिट : 4

आधुनिक काव्य

इकाई - 1. क. रामधारी सिंह : कुरूक्षेत्र, षष्ठ सर्ग 'दिनकर'- भारती भवन, पटना
ख. मैथलीशरण गुप्त : साकेत, नवम सर्ग

इकाई - 2. क. जयशंकर प्रसाद : कामायनी श्रद्धा सर्ग
ख. निराला : राम की शक्तिपूजा

इकाई - 3. क. नागार्जुन- बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान
ख. भवानी प्रसाद मिश्र-गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल

इकाई - 4. क. अज्ञेय : नदी के द्वीप, असाध्य वीणा
ख. रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरुद्ध, दे दिया जाता हूँ

इकाई -5. क. गजानन माधव 'मुक्तिबोध : अंधेरे में
ख. धूमिल : मोचीराम, किस्सा जनतंत्र

पाठ्य पुस्तक, दिशान्तर- सं. डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, डॉ. विश्वनाथ तिवारी, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी, 1994 ई.

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. रामधारी सिंह 'दिनकर' और कुरुक्षेत्र : तारकनाथ बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
2. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या.: रामस्वरूप चतुर्वेदी, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
3. नई कविता और अस्तित्ववाद : राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नयी कविता के प्रतिमान : लक्ष्मीकान्त वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. मुक्तिबोध की कविताओं से गुजरते हुए : अनुप कुमार, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. समकालीन हिन्दी कविता : गोविन्द रजनीश, साहित्यागार, जयपुर
7. समकालीन कविता और कुलीनतावाद : अजय तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. शताब्दी की कविता : नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
9. अंतस्तल का पूरा विप्लव अँधेरे में : सं. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष : डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN- 904C

क्रेडिट : 4

पूर्वोत्तर भारत का आधुनिक साहित्य

इकाई - 1. पूर्वोत्तर : भौगोलिक, ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिचय

इकाई – 2. उपन्यास : उत्तर-पूर्व – लालबहादुर वर्मा, उफ़्फ़ – प्रमोद कुमार तिवारी , देश भीतर देश – प्रदीप सौरभ , जहाँ बाँस फूलते हैं – श्री प्रकाश मिश्र (उपलब्ध किन्हीं दो उपन्यासों का अध्ययन करना होगा)

इकाई – 3. कहानी : पि कतो (कॉकबरक/त्रिपुरा), सूर्यास्त (खासी/मेघालय), भूमि-पुत्र (टैनिडे/नागालैंड), काउबॉय लावेले जीन्स (मिजो/मिजोरम), कहानी की कहानी (नेपाली), पूर्वजों की धरती (कार्बी/आसाम) (उपलब्ध किन्हीं चार कहानियों का अध्ययन करना होगा)

इकाई – 4. कविता : तुम कहाँ रहती हो मानवता (बोडो), फिर तालाब (असमिया), प्रश्न (मिसिंग), मेरी माँ जानती है (तागिन), वो लड़की (बंगला), बारिश से संलाप (कॉकबरक)

इकाई – 5. अन्य गद्य विधाएँ : लप्या (नाटक) - ताई तुगुङ , कर्ण (नाटक) – एच. कन्हाई लाल, माझुली (यात्रा वृतांत) – अज्ञेय

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. पूर्वोत्तर की आदिवासी कहानियाँ, सं. रमणिका गुप्ता, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
2. समाकालीन भारतीय साहित्य (पत्रिका/ पूर्वोत्तर भारत विशेषांक), नवम्बर-दिसम्बर 2012, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
3. नया पथ, (पत्रिका/त्रिपुरा विशेषांक), जुलाई-सितम्बर, 2010
4. कॉकबरक की प्रतिनिधि कविताएँ, अनुवाद, मिलन रानी जमातिया, मानव प्रकाशन, कोलकता
5. श्रीप्रकाश मिश्र की साहित्य साधना की परख, सं. डॉ. सुरेश चन्द्र, अमन प्रकाशन, कानपुर
6. अज्ञेय और पूर्वोत्तर भारत, सं. रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. आदिवासी शौर्य और विद्रोह, रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. झारखंड के आदिवासियों के बीच, वीर भारत तलवार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. अरे यायावार रहेगा याद, अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आदिवासी साहित्य यात्रा, रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

ऐच्छिक पत्र : HN-905E-1
क्रेडिट : 4

प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं जनसंचार

इकाई – 1. भाषा के विविध रूप : सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिन्दी, राष्ट्रभाषा हिन्दी, राजभाषा हिन्दी, संपर्क भाषा हिन्दी, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिन्दी में अंतर, राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

इकाई – 2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की संकल्पना और उसके विविध आयाम: कार्यालयी हिन्दी, जन संचार की वित्त एवं वाणिज्य की हिन्दी, विज्ञान के क्षेत्र में हिन्दी, विज्ञापन में हिन्दी, कम्प्यूटर क्षेत्र में हिन्दी

इकाई – 3. पत्र लेखन एवं उसके प्रकार, प्रारूप लेखन, प्रतिवेदन, टिप्पण, संक्षेपण, ज्ञापन, परिपत्र

इकाई – 4. जनसंसार : अर्थ एवं स्वरूप, जनसंचार के विविध माध्यम, पत्रकारिता : विकास के प्रमुख चरण एवं विशेषताएँ

इकाई – 5. पत्रकारिता : समाचार लेखन कला, संपादकीय लेखन, फीचर लेखन, रेडियो लेखन, प्रूफ शोधन

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव, कैन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
2. राजभाषा हिन्दी : कैलाश चन्द्र भाटिया, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विजयपाल सिंह, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली
4. प्रशासनिक हिन्दी : पूरनचन्द टण्डन, पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य : राम अवतार शर्मा, नयन प्रकाशन, दिल्ली
6. पत्रकारिता और जनसंचार : डॉ. ठाकुरदत्त 'आलोक', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व, डॉ. त्रिभुवन राय, श्याम प्रकाशन, जयपुर
8. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र : जवरीमल्ल पारीख
9. हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका : जगदीश्वर चतुर्वेदी

Scanned by CamScanner

चतुर्थ सेमेस्टर

मुख्य पत्र : HN-1001C

क्रेडिट : 4

भाषा-विज्ञान

इकाई – 1. भाषा एवं भाषा विज्ञान : परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली में अंतर, भाषा विज्ञान का क्षेत्र, अध्ययन की पद्धतियाँ, भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध

इकाई – 2. ध्वनि-विज्ञान : अर्थ एवं परिभाषा, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और स्वनिम-विज्ञान

इकाई – 3. वाक्य-विज्ञान : अर्थ एवं परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण

इकाई – 4. अर्थ की अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई – 5. रूप की अवधारणा, रूपिम और संरूप की परिभाषा, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती, इलाबाद
2. भाषा-विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. भाषा-विवेचन, भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. भाषा-शास्त्र की रूपरेखा, उदयनारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
6. अनुप्रयुक्त भाषा-विज्ञान-सिद्धांत और व्यवहार, रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी सं., आगरा
7. भाषा-विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN-1002C

क्रेडिट : 4

अस्मितावादी साहित्य

इकाई – 1. अस्मितावादी साहित्य: अवधारणा एवं पृष्ठभूमि, विभिन्न अस्मितावादी विचारधाराओं का आपसी अंतर्संबंध

इकाई – 2. दलित साहित्य की अवधारणा, संबंधित विचारधाएँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख रचनाकारों का परिचय

इकाई – 3. स्त्री साहित्य की अवधारणा, संबंधित विचारधाएँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख रचनाकारों का परिचय

इकाई – 4. आदिवासी साहित्य की अवधारणा, संबंधित विचारधाएँ और विशेषताएँ प्रमुख रचनाकारों का परिचय

इकाई – 5. प्रवासी साहित्य की अवधारणा, संबंधित विचारधाएँ और विशेषताएँ प्रमुख रचनाकारों का परिचय

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. शूद्रों का प्राचीन इतिहास, रामशरण शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
2. अम्बेडकर एक चिंतन, मधुलिमय, पटेल एजुकेशन सोसाइटी , नई दिल्ली
3. हरिजन से दलित, सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
5. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, शरणकुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
6. दलित विमर्श की भूमिका, कंवल भारती, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहबाद
7. दलित साहित्य की अवधारणा, कंवल भारती, बोधिसत्व प्रकाशन, रामपुर
8. दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, डा. विमल थोराट, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आदिवासी कौन: रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आदिवासी साहित्य यात्रा, सं. रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी, सं. रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN-1003C

क्रेडिट : 4

समकालीन कविता

इकाई – 1. श्रीकांत वर्मा : मगध, हस्तक्षेप
केदारनाथ सिंह : भिखारी ठाकुर, बनारस

इकाई – 2. चन्द्रकांत देवताले : औरत, माँ जब खाना परोसती थी
लीलाधर जगूड़ी : मोड़, आऊंगा

इकाई -3. राजेश जोशी : मारें जायेंगे, बिजली सुधारने वाले
मंगलेश डबराल : हत्यारा, गुजरात के मृतक का बयान

इकाई - 4. अरुण कमल : उम्मींद, बोलना
दिनेश कुशवाह : पिता की चिता जलाते हुए, उजाले में आजानुबाहु

इकाई - 5. सुधा अरोड़ा : कम से कम एक दरवाजा, अकेली औरत का रोना
कात्यायनी : गार्गी, सात भाइयों में चंपा

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. समकालीन हिंदी कविता, संपा. परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2. प्रतिनिधि कविताएं, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रतिनिधि कविताएं, अरुण कमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रतिनिधि कविताएं, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. इसी काया में मोक्ष, दिनेश कुशवाह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. इतिहास में अभागे, दिनेश कुशवाह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. कम से कम एक दरवाजा, सुधा अरोड़ा, बोधि प्रकाशन, जयपुर
8. समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. समकालीन हिंदी कविता, ए. अरविन्दाक्षन राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. समकालीन कविता के आयाम, पी. रवि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned by CamScanner

मुख्य पत्र : HN-1004C

क्रेडिट : 4

लघु शोध-प्रबंध

मौखिकी : 30

लघु शोध-प्रबंध प्रस्तुति : 70

(विषय का चयन विभाग द्वारा किया जाएगा)

प्रत्येक विद्यार्थी को साहित्यिक/भाषिक/सामाजिक-सांस्कृतिक/समसामयिक विषय पर लगभग एक सौ (100) पृष्ठों का एक लघु शोध-प्रबंध तैयार करना होगा।

Scanned by CamScanner

ऐच्छिक पत्र : HN-1005E-1

क्रेडिट : 4

छायावाद

इकाई - 1. छायावाद : अवधारणा और स्वरूप, प्रमुख विशेषताएं, छायावादी काव्य के प्रमुख आलोचक

इकाई - 2. जयशंकर प्रसाद : आंसू, लहर (आरम्भ से दस पद), प्रलय की छाया

इकाई - 3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता, बादों न नाव इस ठांव बंधु

इकाई – 4. सुमित्रानंदन पंत : परिवर्तन, प्रथम रश्मि, नौका विहार

इकाई – 5. महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, दुत झरो जगत के जीर्ण पत्र

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कल्पना और छायावाद, केदारनाथ सिंह, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भंडार, इलाहाबाद
4. जयशंकर प्रसाद, रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
5. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिता, प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
6. निराला : एक आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. अनामिका, निराला, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. सुमित्रानंदन पंत, डॉ. नगेन्द्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
9. महादेवी, जगदीश गुप्त, साहित्य अकादमी; दिल्ली
10. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. निराला और मुक्तिबोध, नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रा. लि. नई दिल्ली
12. छायावादी काव्य-कोश, सं. कमलेश वर्मा, सुचिता वर्मा, दी मार्जिनलाइज्ड पब्लिकेशन, महाराष्ट्र

Scanned by CamScanner

ऐच्छिक पत्र: HN-1005E-2

क्रेडिट : 4

प्रेमचंद

इकाई–1 प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, हिंदी कथा साहित्य पर प्रेमचंद का प्रभाव

इकाई - 2 उपन्यास:

(i) निर्मला

(ii) गबन

(iii) कर्मभूमि

इकाई -3 प्रेमचंद की चुनी हुई कहानियाँ:

(i) ठाकुर का कुँआ

(ii) शतरंज के खिलाड़ी

(iii) पंच परमेश्वर

(iv) बूढ़ी काकी

(v) नमक का दरोगा

(vi) कफन

(vii) बड़े भाई साहाब

(viii) ईदगाह

इकाई - 4 प्रेमचंद एवं शरतचंद्र का औपन्यासिक दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन

इकाई -5 प्रेमचंद की पत्रकारिता

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद, डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिंदी प्रचारक संस्थान, आगरा
2. कलम का सिपाही, अमृत राय, हिंदी प्रचारक संस्थान, आगरा
3. मानवतावादी साधक प्रेमचंद, डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
4. प्रेमचंद और उनका युग, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
5. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन, नंद दुलारे वाजपेयी, राजकमल, दिल्ली
6. प्रेमचंद : अध्ययन की नयी दिशाएँ, कमल किशोर गोयनका, हिंदी प्रचारक संस्थान, आगरा

Scanned by CamScanner